3 हिन्दी व्याकरण

(क) शब्दों में सूक्ष्म अन्तर

कुछ शब्द ऐसे होते हैं, जिनके अर्थ लगभग समान होते हैं, किन्तु उनके अर्थ में सूक्ष्म अन्तर होता है। यहाँ कुछ शब्द और उनके सूक्ष्म अन्तर दिये गये हैं–

1. **अस्त्र**–फेंककर चलाया जाने वाला हथियार जैसे–परमाणु बम।
   शस्त्र–हाथ में लेकर चलाया जाने वाला हथियार जैसे–बन्दूक।
2. **अज्ञानी**–जिसे कुछ भी ज्ञान न हो।
   अनभिज्ञ–जिसे कुछ भी अनुभव न हो।
3. **अध्यक्ष**–विभाग का प्रमुख।
   सभापति–सभा की अध्यक्षता करने वाला।
4. **अध्ययन**–सामान्य रूप से पढ़ना-लिखना।
   अनुशीलन–गम्भीर तथा शोधपरक अध्ययन
5. **अतिल**–भौंरा।
   अली–सखी।
6. **भिज्ञ**–जानकार।
   अनभिज्ञ–अनजान।
7. **अवलम्ब**–सहारा।
   अविलम्ब–शीघ्र।
8. **अविराम**–लगातार। **[2020 ZH, ZJ]**
   अभिराम–सुन्दर।
9. **प्रलाप**–बकवास।
   विलाप–रोना।
10. **श्वजन**–कुत्ता।
    स्वजन–आदमी।
11. **पुरुष**–आदमी। **[2020 ZM]**
    परुष–कठोर।
12. **कुल**–वंश। **[2020 ZL, ZN]**
    कूल–किनारा।
13. **निर्धन (दरिद्र)**–जिसके पास कोई सम्पत्ति न हो।
    दीन–निर्धन होने के चलते स्वाभिमान से रहित।
14. **कलंक**–किसी बुराई के चलते प्राप्त लांछन।
    अपयश–व्यापक बदनामी, बुराई।
15. **कविता**–पद्यबद्ध कथन।
    काव्य–कवि का कृतित्व।
16. **कष्ट**–तन और मन की असुविधा।
    क्लेश–पूरे मन का अप्रिय भाव।
    व्यथा–कष्टकारक अनुभव।
17. **चेष्टा**–शक्ति के अनुसार कार्य।
    प्रयत्न–उपाय या प्रयास।
18. **मुनि**–धर्म या आध्यात्मिक तत्त्वों को बताने वाला।
    ऋषि–मन्त्रों या आध्यात्मिक तत्त्वों को बताने वाला।
19. **माप**–तरल पदार्थों की तौल।
    नाप–लम्बाई या दूरी का आकलन।
20. **क्षमता**–कार्य करने की सामर्थ्य या शक्ति।
    योग्यता–कार्य करने की गुणयुक्त विशेषता।
21. **वीरता**–वीर का स्वाभाविक गुण।
    साहस–भय पर विजय पाने का भाव।
22. **स्त्री**–कोई भी महिला।
    पत्नी–किसी पुरुष की विवाहित स्त्री।
23. **सभ्यता**–रहन-सहन या व्यवहार का बाहरी रूप।
    संस्कृति–आन्तरिक सुन्दर संस्कार।
24. **सेवा**–गुरुजनों के लिए परिजन का कार्य।
    शुश्रूषा–रोगी व्यक्ति के लिए कार्य।
    परिचर्या–दोनों प्रकार की सेवा।
25. **अवस्था**–दशा।
    आयु–उम्र।
26. **अलौकिक**–जो संसार में प्राप्त न हो, स्वर्गिक, ईश्वरीय।
    असाधारण–सामान्य से अधिक विशेषता युक्त।
27. **निश्चय**–तय करना।
    संकल्प–प्रणपूर्वक निश्चय।

28. **भक्ति**—धर्म की भावना से युक्त प्रेम।
श्रद्धा—किन्हीं गुणों के कारण आदर सहित प्रेम।

29. **संघर्ष**—परिस्थितियों से व्यक्तियों से सामना करना।
द्वन्द्व—दो व्यक्तियों या भावों के बीच संघर्ष।

30. **तट**—नदी या समुद्र का किनारा।
पुलिन—किनारे की गीली भूमि।

31. **जलद**—बादल। **[2020 ZM]**
जलधि—समुद्र।

32. **अनिल**—हवा।
अनल—आग।

33. **बात**—वार्ता। **[2020 ZH]**
वात—हवा।

बहुविकल्पीय प्रश्न

निर्देश— निम्नलिखित शब्द-युग्मों के सही विकल्प का चयन कीजिए—

1. **श्रवण-श्रमण** **[2020 ZK]**
(क) पाप और पुण्य (ख) सज्जन और दुर्जन (ग) कान और भिक्षु (घ) सावन और परिश्रमी
उत्तर—(ग) कान और भिक्षु।

2. **वसन-व्यसन** **[2020 ZI]**
(क) विवश और व्याकुल (ख) वस्त्र और आदत (ग) कवच और भोजन (घ) विस्तार और अवधि
उत्तर—(ख) वस्त्र और आदत।

3. **अविराम-अभिराम**
(क) लगातार और रुचिकर (ख) बिना रोक के और सुन्दर (ग) अनवरत और आकर्षक (घ) सुन्दर और आकर्षक
उत्तर—(ख) बिना रोक के और सुन्दर।

4. **अंश-अंशु** **[2020 ZJ]**
(क) भाग और सूर्य (ख) सूर्य और भाग (ग) भाग और किरण (घ) भाग और वरुण
उत्तर—(ग) भाग और किरण।

5. **कटिबन्ध-कटिबद्ध**
(क) फेंटा और तैयार (ख) करधनी और तैयार (ग) तैयार और बावजूद (घ) उद्यत और उद्धत
उत्तर—(ख) करधनी और तैयार।

6. **बात-वात** **[2020 ZH]**
(क) बातें और हवा (ख) रोग और दवा (ग) वायु और विकार (घ) विचार और शिकार
उत्तर—(क) बातें और हवा।

7. **द्रव-द्रव्य** **[2020 ZK]**
(क) तरल पदार्थ और धन (ख) धन और धान्य (ग) दान और दातार (घ) दवा और दया
उत्तर—(क) तरल पदार्थ और धन।

8. **स्वर्ण-सवर्ण** **[2020 ZI]**
(क) सोना और अच्छा रंग (ख) सुनार और सोना (ग) सोना और चाँदी (घ) सोना और उच्च जाति
उत्तर—(घ) सोना और उच्च जाति।

9. **विहग-विहंग**
(क) पक्षी और बालक (ख) पक्षी और तोता (ग) पक्षी और आकाश (घ) आकाश और पक्षी
उत्तर—(ख) पक्षी और तोता।

10. **अंस-अंश**
(क) अंकुर और हिस्सा (ख) हिस्सा और अंकुर (ग) कंधा और हिस्सा (घ) हिस्सा और कंधा

उत्तर–(ग) कंधा और हिस्सा।

11. अन्न-अन्य

(क) अनाज और दूसरा (ख) भोजन और अनेक (ग) गेहूँ और वह (घ) बेकार और दूसरा

उत्तर–(क) अनाज और दूसरा।

12. अचार-आचार

(क) बुरा आचरण और अच्छा (ख) मुरब्बा और आचरण (ग) स्थिर और चल (घ) आम और चारा

उत्तर–(ख) मुरब्बा और आचरण।

13. अभय-उभय **[2020 ZL]**

(क) निडर और दोनों (ख) भयरहित और निडर (ग) निर्भर और कायर (घ) आभायुक्त और अन्य

उत्तर–(क) निडर और दोनों।

14. अंबुज-अंबुद **[2020 ZN]**

(क) कमल और बादल (ख) जल और कमल (ग) बादल और समुद्र (घ) समुद्र और कमल

उत्तर–(क) कमल और बादल।

(ख) अनेकार्थी शब्द

जब एक शब्द के अनेक अर्थ होते हैं, तो उन्हें अनेकार्थक या पर्यायवाची शब्द कहा जाता है। यद्यपि शब्द के अनेक अर्थ होते हैं, किन्तु एक प्रसंग में उनका एक ही अर्थ होता है। कुछ अनेकार्थी शब्द यहाँ दिये जा रहे हैं।

1. **अम्बर** वस्त्र, आकाश। **[2020 ZJ]**
2. **अलि** भौंरा, सखी, बिच्छू। **[2020 ZI]**
3. **अर्क** सूर्य, मदार। **[2020 ZJ, ZN]**
4. **अक्षत** चावल का दाना, अखण्ड। **[2020 ZK]**
5. **उत्तर** जवाब, भविष्य।
6. **कर** हाथ, किरण।
7. **कनक** सोना, धतूरा।
8. **कर्ण** कान, कुन्ती का पुत्र
9. **काल** समय, मृत्यु। **[2020 ZI]**
10. **काण्ड** घटना, अध्याय, समूह।
11. **गो** गाय, इन्द्रिय।
12. **गुरु** अध्यापक, बड़ा।
13. **घन** बादल, घना।
14. **चपला** लक्ष्मी, बिजली।
15. **जीवन** पानी, प्राण।
16. **कमल** जलज, मोती, सेवार, शंख।
17. **जड़** मूर्ख, मूल।
18. **तम** अँधेरा, तमोगुण।
19. **दल** समूह, पत्ता। **[2020 ZK]**
20. **द्विज** पक्षी, दाँत, ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य। **[2020 ZH, ZN]**
21. **नग** पर्वत, नगीना, वृक्ष। **[2020 ZK]**
22. **नाग** सर्प, हाथी।
23. **पत्र** पत्ता, चिट्ठी। **[2020 ZL]**
24. **पक्ष** पंख, पन्द्रह दिन, तरफ।
25. **पतंग** सूर्य, गुड्डी (चंग), पृथ्वी। **[2020 ZN]**
26. **पय** दूध, पानी।
27. **पयोधर** स्तन, बादल।
28. **पूत** पवित्र, पुत्र।
29. **मधु** शहद, शराब, चैत का महीना।
30. **मित्र** दोस्त, सूर्य। **[2020 ZM]**
31. **मुद्रा** रुपया-पैसा, विशेष आकृति।
32. **राग** प्रेम, आसक्ति, गाने की लय। **[2020 ZH]**
33. **वर** श्रेष्ठ, दूल्हा, वरदान। **[2020 ZH]**
34. **जल** पानी, खस, नक्षत्र, सुगन्धवाला।
35. **विधि** ब्रह्मा, ढंग (रीति)।
36. **सोम** सोमवार, चन्द्र, कुबेर, स्वर्ण।
37. **शक्ति** बल, दुर्गा आदि।
38. **शिखा** चोटी, आग की लौ।
39. **शिव** महादेव, कल्याण। **[2020 ZI]**
40. **सुरभि** कामधेनु, बसन्त, सुगन्ध।
41. **सर** तालाब, बाण।
42. **सारंग** मोर, साँप, कोयल।
43. **हरि** विष्णु, बन्दर, सिंह।

44. **हर** महादेव, आग।
45. **हार** पराजय, गले का हार।
46. **नीरज** जलज, अम्बुज, कमल।
47. **चन्द्रमा** शशि, चाँद, चन्द्र, सुधांशु।
48. **अग्नि** आग, पावक, अनल।
49. **खल** दुष्ट, दुर्जन, अधम।
50. **काम** कामना, सौन्दर्य का देवता, इच्छा, वासना।
51. **कुल** समस्त, वंश, केवल।
52. **केतु** ध्वजा, एक ग्रह का नाम, पुच्छल तारा।
53. **खग** पक्षी, तार, गन्धर्व वाण।
54. **खल** दुष्ट, धतूरा, दवा कूटने का पात्र (खरल)।
55. **गण** समूह, समुदाय, भूत-प्रेत, छन्द के वर्ण समूह।
56. **गुण** विशेषता, रस्सी। **[2020 ZM]**
57. **गज** हाथी, नापने की एक इकाई।
58. **चक्र** कुम्हार का चाक, गोला, पहिया, चकवा।
59. **चीर** वस्त्र, पोशाक, चिथड़ा, रेखा, बक्कल।
60. **छन्द** पद्य, इच्छा, मत, कार्य।
61. **जलद** बादल, समुद्र।
62. **टेक** सहारा, प्रतिज्ञा, हठ।
63. **तात** पिता, पूज्य, भाई, मित्र।
64. **दण्ड** डण्डा, सजा, समय की छोटी नाप।
65. **दाम** मूल्य, धन, माला, रस्सी।
66. **नाक** नासिका, स्वर्ग, आकाश।
67. **पद** पैदल, स्थान, अधिकार, छन्द का एक चरण।
68. **अंक** गोद, संख्या के अंक, नाटक का अंक।
69. **फल** लाभ, परिणाम, किसी वृक्ष का फल।
70. **मधु** शहद, शराब, पराग, वसन्त ऋतु, चैत्र मास।
71. **मित्र** दोस्त, सूर्य, सहयोगी। **[2020 ZM]**
72. **मुद्रा** अँगूठी, छाप, रुपया, आकृति।
73. **वर्ण** रंग, अक्षर, आकृति।
74. **विग्रह** लड़ाई, शरीर, समाज को बाँटना।
75. **सांग** मोर, साँप, हिरन, हंस, सिंह, कोयल, भ्रमर।
76. **रजत** चाँदी, हाथी, सफेद, दाँत।
77. **वन** जंगल, किरण, वाटिका, मकान।
78. **गरल** विष, बिच्छू, साँप।
79. **गिरिधर** गोवर्धन पर्वत धारण करने वाले, कृष्ण।
80. **तनया** पुत्री, पिण्वन नाम की लता।
81. **जनक** पिता, राजा जनक।
82. **अनंत** आकाश, अंतहीन।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. **'उदधि' शब्द का कौन-सा अर्थ सही नहीं है?**
(क) उत्तम दधि (ख) समुद्र (ग) सागर (घ) जलधि
उत्तर–(क) उत्तम दधि।

2. **'करि' शब्द के सही अर्थ को चुनकर लिखिए।**
(क) हाथी (ख) सूँड़ वाला (ग) करने वाला (घ) चोर
उत्तर–(क) हाथी।

3. **'अकाल' शब्द का अर्थ नहीं है–**
(क) दुर्भिक्ष (ख) मृत्यु (ग) कमी (घ) असमय
उत्तर–(ग) कमी।

4. **'तारा' शब्द का अर्थ है–**
(क) नक्षत्र (ख) चन्द्र (ग) लेखनी (घ) रश्मि
उत्तर–(क) नक्षत्र।

5. **'हार' शब्द के सही अर्थ को चुनकर लिखिए–**
(क) गले का आभूषण (ख) पराजय (ग) घबराना (घ) दुःख
उत्तर–(ख) पराजय।

6. **'द्विज' का अर्थ है–**
(क) ब्राह्मण (ख) पशु (ग) सिंह (घ) क्षत्रिय
उत्तर–(क) ब्राह्मण।

7. 'अम्बर' शब्द का कौन-सा अर्थ नहीं है?

(क) आकाश (ख) वस्त्र (ग) आम (घ) केशर

उत्तर—(घ) केशर।

8. 'मित्र' शब्द का सही अर्थ है—

(क) धन (ख) सूर्य (ग) हाथ (घ) वानर

उत्तर—(ख) सूर्य।

9. 'हंस' शब्द का सही अर्थ नहीं है—

(क) एक पक्षी (ख) हँसना (ग) सूर्य (घ) आत्मा

उत्तर—(ख) हँसना।

10. 'सुरभि' शब्द का कौन-सा अर्थ सही नहीं है?

(क) सुगन्धि (ख) सवेरा (ग) पृथ्वी (घ) गौ

उत्तर—(ख) सवेरा।

(ग) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

शब्द-समूह	एक शब्द	शब्द-समूह	एक शब्द
1. जो ईश्वर में विश्वास करता है **[2020 ZH]**	आस्तिक	27. जो भूखा हो	बुभुक्षित
2. जिसे काटा न जा सके	अकाट्य	28. जंगल की अग्नि **[2020 ZJ, ZL]**	दावाग्नि
3. जो पढ़ना-लिखना जानता हो	साक्षर	29. जो वन्दना करने योग्य हो	वन्दनीय
4. नारी जिसका पति न हो	विधवा	30. जिसके आने की कोई तिथि न हो	अतिथि
5. जो शिक्षा देता है	शिक्षक	31. जो स्त्री कविता लिखती हो	कवयित्री
6. पिता की हत्या करने वाला	पितृहन्ता	32. जो कभी न मरता हो (सदैव रहनेवाला)	अमर
7. जिसे कहा न जा सके **[2020 ZK]**	अकथनीय	33. जिसे क्षमा किया जा सके	क्षम्य
8. सौ वर्ष की आयु पूरी करने वाला	शतायु	34. स्वयं उत्पन्न होने वाला	स्वयंभू
9. जिसकी गणना न की जा सके	अगणित	35. जो पहले कभी न हुआ हो **[2020 ZN]**	अभूतपूर्व
10. सत्य आचरण करने वाला	सदाचारी	36. जीने की इच्छा	जिजीविषा
11. जो कभी जन्म नहीं लेता **[2020 ZK]**	अजन्मा	37. पृथ्वी और आकाश के बीच का स्थान	अन्तरिक्ष
12. किये गये उपकार को न मानने वाला **[2020 ZM]**	कृतघ्न	38. रास्ता दिखाने वाला	पथप्रदर्शक
13. जिसको ईश्वर में विश्वास न हो	नास्तिक	39. घृणा के योग्य	घृणास्पद
14. जानने की इच्छा रखने वाला **[2020 ZI, ZH]**	जिज्ञासु	40. सदा सत्य बोलने वाला	सत्यवादी
15. सौ वर्ष का समय	शताब्दी	41. जिसे अपने कार्य में सफलता मिली हो	सफल
16. दोपहर के बाद का समय	अपराह्न	42. सत्य में जिसका दृढ़ विश्वास हो **[2020 ZN]**	सत्यनिष्ठ
17. वह पुरुष जिसकी पत्नी मर गयी हो	विधुर	43. जिसकी इच्छाएँ बहुत ऊँची हों	महत्त्वाकांक्षी
18. जिसका कोई स्वामी या रक्षक न हो	अनाथ	44. दोपहर का समय	मध्याह्न
19. जिसकी उपमा के योग्य कोई न हो	निरुपम	45. जो इन्द्रियों से परे हो	इन्द्रियातीत
20. जो सब कुछ जानता हो **[2020 ZM]**	सर्वज्ञ	46. जिससे किसी की तुलना न की जा सके	अतुलनीय
21. प्रतिदिन प्रकाशित होने वाला समाचार-पत्र	दैनिक	47. जिसका दमन न किया जा सके	अदम्य
22. जिसमें कुछ करने की क्षमता न हो	अक्षम	48. जिसके समान कोई दूसरा न हो	अद्वितीय
23. जो एक ही माता के उदर से उत्पन्न हुए हों	सहोदर	49. जिसका कोई अन्त न हो	अनन्त
24. अभी-अभी स्नान किया हुआ	सद्यस्नात	50. जो गलत कार्य के लिए हठ करे	दुराग्रही
25. जो कीचड़ से उत्पन्न होता है	पंकज	51. जिसका कोई शत्रु पैदा ही न हो	अजातशत्रु
26. जिसकी आँखें हिरण की आँखों के समान हैं	मृगनयनी	52. जो जीता न जा सके **[2020 ZJ]**	अजेय

शब्द-समूह	एक शब्द	शब्द-समूह	एक शब्द
53. हृदय की बात जानने वाला	अन्तर्यामी	79. प्रिय बोलने वाली	प्रियंवदा
54. अनुकरण करने योग्य [2020 ZI]	अनुकरणीय	80. बहुत-से रूप धारण करने वाला	बहुरूपिया
55. जो सामान्य नियम के विरुद्ध हो	अपवाद	81. जल में लगने वाली आग	बड़वाग्नि
56. जो ऋण से मुक्त हो गया हो	उऋण	82. जिसने बहुत विद्वानों को सुना है	बहुश्रुत
57. जो कभी बूढ़ा नहीं होता	अजर	83. जो बहुत कुछ जानता हो	बहुज्ञ
58. जिसको क्षमा न किया जा सके	अक्षम्य	84. बहुत-सी भाषाओं को जानने वाला	बहुभाषाविद्
59. जिसका जन्म पहले हुआ हो ऐसा भाई	अग्रज	85. वर्ष में एक बार प्रकाशित होने वाला	वार्षिक
60. हाथी हाँकने का छोटा भाला	अंकुश	86. जिसके जोड़ का कोई दूसरा न हो	बेजोड़
61. जिसकी कल्पना न की जा सके	अकल्पनीय	87. छोटे कद का आदमी	बौना
62. जिसके पास कुछ न हो	अंकिचन	88. दीवार पर बने हुए चित्र	भित्तिचित्र
63. सबसे पहले गिना जाने वाला	अग्रगण्य	89. किसी मत को मानने वाला	मतानुयायी
64. बिना वेतन लिए काम करने वाला	अवैतनिक	90. किसी बात का गूढ़ रहस्य जानने वाला	मर्मज्ञ
65. जो विधान या नियम के प्रतिकूल हो	अवैधानिक	91. जो मान-सम्मान के योग्य हो	माननीय
66. रोगियों की चिकित्सा का स्थान	चिकित्सालय	92. संयम से और कम बोलने वाला	मितभाषी
67. जो नष्ट होने वाला हो	नश्वर	93. संयम से और कम खर्च करने वाला	मितव्ययी
68. जिसका कोई आकार न हो	निराकार	94. जो कम खाता हो	मितभोजी
69. पन्द्रहवें दिन वाला	पाक्षिक	95. मोक्ष की इच्छा रखने वाला	मुमुक्षु
70. जिसके आर-पार देखा जा सके	पारदर्शी	96. नए युग का नई प्रवृत्ति को जन्म देने वाला	युगप्रवर्त्तक
71. किसी कार्य को बार-बार करना	पुनरावृत्ति	97. किसी देश का दूसरे देश में नियुक्त राजनीतिक प्रतिनिधि	राजदूत
72. जो तुरन्त किसी बात को सोच ले	प्रत्युत्पन्नमति	98. जिसे देख या सुनकर रोंगटे खड़े हो जाएँ	रोमांचकारी
73. समान रूप से आगे बढ़ने की चेष्टा	प्रतिस्पर्द्धा	99. जिसके पास लाख रुपये की सम्पत्ति हो	लखपति
74. जो आँखों के सामने हो	प्रत्यक्ष	100. वन में रहने वाला	वनवासी
75. जो लौट गया है	प्रत्यावर्तित	101. विदेश में रहने वाला	विदेशी
76. विदेश में रहने वाला	प्रवासी	102. दूसरों पर आश्रित रहने वाला	पराश्रित
77. प्राप्त करने-योग्य	प्राप्तव्य	103. जिसका ज्ञान कम हो [2020 ZL]	अल्पज्ञ
78. प्रार्थना-पत्र भेजने वाला	प्रार्थी		

(घ) वाक्यों में त्रुटिमार्जन

(लिंग, वचन, कारक, काल और वर्तनी सम्बन्धी त्रुटि से सम्बन्धित)

(अ) लिंग सम्बन्धी अशुद्धियाँ

(1) हिन्दी में केवल दो ही लिंग होते हैं–पुल्लिग और स्त्रीलिंग।
(2) क्षेत्रीय प्रयोगों को उचित न मानकर मानक हिन्दी (खड़ीबोली) में प्रयुक्त लिंग व्यवस्था को ही उचित मानना चाहिए।
(3) जिन पुल्लिग शब्दों का स्त्रीलिंग बनता है, उनका सावधानीपूर्वक उचित प्रयोग करना चाहिए।
(4) जब भिन्न लिंगी कर्त्ता विभक्ति रहित एक वचन में हों तथा 'और' संयोजक से जुड़े हों, तो उनकी क्रिया पुल्लिग बहुवचन में होगी।

उदाहरण– अशुद्ध–महादेवी वर्मा विद्वान कवयित्री थीं।
शुद्ध–महादेवी वर्मा विदुषी कवयित्री थीं।
अशुद्ध–लक्ष्मीबाई वीर महिला थीं।
शुद्ध–लक्ष्मीबाई वीरांगना थीं।
अशुद्ध–यदि आप मेरे घर पधारेंगे तो आपकी महती कृपा होगी।

शुद्ध–यदि आप मेरे घर आयेंगे तो आपकी महती कृपा होगी।
अशुद्ध–राम और श्याम बातचीत कर रहा है।
शुद्ध–राम और श्याम बातचीत कर रहे हैं।
अशुद्ध–क्या मेरा तौलिया सूख गया?
शुद्ध–क्या मेरी तौलिया सूख गयी?
अशुद्ध–कृष्णा और राधा नृत्य कर रहे हैं।
शुद्ध–कृष्णा और राधा नृत्य कर रही हैं।
अशुद्ध–पुत्री पराया धन होता है।
शुद्ध–पुत्री पराया धन होती है।

(आ) वचन सम्बन्धी अशुद्धियाँ

हिन्दी में केवल दो वचन होते हैं–एकवचन तथा बहुवचन। यहाँ वचन सम्बन्धी कुछ नियम लिखे जा रहे हैं–
(1) कुछ शब्द सदैव बहुवचन में ही प्रयुक्त होते हैं; यथा प्राण, दर्शन, हस्ताक्षर, आँसू, होश, बाल–अनेक आदि।
(2) भाववाचक संज्ञाएँ सदा एकवचन में प्रयुक्त होती हैं; जैसे—बुढ़ापा, बचपन, लड़कपन, भावुकता।
(3) आदरणीय व्यक्तियों के साथ एकवचन होते हुए भी बहुवचन की क्रिया लगाई जाती है।
(4) कुछ शब्द सदैव एकवचन होते हैं; यथा—सामान, माल, जनता आदि से संस्कृत में अनुवाद।

उदाहरण—अशुद्ध—टक्कर लगते ही उसका प्राण निकल गया।
शुद्ध—टक्कर लगते ही उसके प्राण निकल गये।
अशुद्ध—प्रधानाचार्य जी ने हस्ताक्षर कर दिया।
शुद्ध—प्रधानाचार्य जी ने हस्ताक्षर कर दिये।
अशुद्ध—मैंने मन्दिर जी का दर्शन कर लिया।
शुद्ध—मैंने मन्दिर जी के दर्शन कर लिए।
अशुद्ध—चाँटा लगते ही उसका आँसू निकल पड़ा।
शुद्ध—चाँटा लगते ही उसके आँसू निकल पड़े।
अशुद्ध—कृपया मेरे सामानों पर निगाह रखना।
शुद्ध—कृपया मेरे सामान पर निगाह रखना।
अशुद्ध—आज सभा में अनेकों नेताओं के भाषण हुए।
शुद्ध—आज सभा में अनेक नेताओं के भाषण हुए।
अशुद्ध—मेरा बड़ा भाई आ रहा है।
शुद्ध—मेरे बड़े भाई आ रहे हैं।
अशुद्ध—अध्यापक कक्षा में पढ़ा रहा है।
शुद्ध—अध्यापक कक्षा में पढ़ा रहे हैं।

(इ) कारक सम्बन्धी अशुद्धियाँ

हिन्दी में कारक सम्बन्धी प्रयोग के नियम संस्कृत से पर्याप्त भिन्न हैं। अतः हिन्दी कारक चिह्नों का सही प्रयोग समझना चाहिए। हिन्दी में कारक चिह्न निम्न प्रकार से हैं—

(1) कर्त्ता—ने
(2) कर्म—को
(3) करण—से या द्वारा
(4) सम्प्रदान—के लिए या को
(5) अपादान—से (अलगाव अर्थ में)
(6) सम्बन्ध—का, की, के, रा, री, रे
(7) अधिकरण—मैं, पर
(8) सम्बोधन—हे, रे, अरे

उदाहरण—अशुद्ध—मैं भोजन कर लिया हूँ।
शुद्ध—मैंने भोजन कर लिया है।
अशुद्ध—इन बातों से तेरे को क्या लेना-देना।
शुद्ध—इन बातों से तुझे क्या लेना-देना।

अशुद्ध—मैं कलम के साथ लिखता हूँ।
शुद्ध—मैं कलम से लिखता हूँ।
अशुद्ध—मुझे कहा गया है कि घर से आज न निकलूँ।
शुद्ध—मुझसे कहा गया है कि आज घर से न निकलूँ।
अशुद्ध—तुम मेरे से मत बोलो।
शुद्ध—तुम मुझसे मत बोलो।
अशुद्ध—उसको लड़का हुआ है।
शुद्ध—उसके लड़का हुआ है।
अशुद्ध—राम ने पुस्तक को पढ़ा लिया।
शुद्ध—राम ने पुस्तक पढ़ा ली।
अशुद्ध—ओ बालक! खड़ा रह।
शुद्ध—रे बालक! खड़ा रह।

(ई) काल सम्बन्धी अशुद्धियाँ

हिन्दी में तीन काल हैं–वर्तमान काल, भूत काल और भविष्य काल। काल का निर्णय क्रिया से होता है, किन्तु कभी-कभी क्रिया को देखकर काल का निर्णय करना कठिन हो जाता है। यहाँ कतिपय अशुद्धियों के उदाहरण दिये जा रहे हैं।

उदाहरण—अशुद्ध—मैं लड़के को पढ़ाया हूँ।
शुद्ध—मैंने लड़के को पढ़ाया है।
अशुद्ध—सूर्य पूरब में निकलता था।
शुद्ध—सूर्य पूरब में निकलता है।
अशुद्ध—यदि तुम आये होते तो मैं भी चलूँगा।
शुद्ध—यदि तुम आये होते तो मैं भी चलता हूँ।
अशुद्ध—जब तुम मेरे यहाँ आओ तो मैं भी चलूँगा।
शुद्ध—जब तुम मेरे यहाँ आओगे तो मैं भी चलूँगा।
अशुद्ध—एक पुरुष और एक स्त्री जा रही है।
शुद्ध—स्त्री और पुरुष जा रहे हैं।
अशुद्ध—तुम बच्चों को कहानी सुनाया कर।
शुद्ध—तुम बच्चों को कहानी सुनाया करो।

(उ) वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियाँ

वाक्य में प्रयुक्त किसी भी शब्द की वर्तनी अशुद्ध होने पर वाक्य भी अशुद्ध माना जाता है। अतः शब्दों को, चाहे वह सामासिक शब्द हों या सन्धि युक्त शब्द, शुद्ध रूप से जानना आवश्यक है। यहाँ कुछ अशुद्ध शब्दों के शुद्ध लिखे जा रहे हैं—

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
अध्यन	अध्ययन	अनुदित	अनूदित
अहार	आहार	अनुग्रहीत	अनुगृहीत
अंगीठी	अँगीठी	अनुषंगिक	अनुषांगिक
अनुसूइया	अनसूया	अत्याधिक	अत्यधिक
अनाथिनी	अनाथा	अन्तकरण	अन्तःकरण
अतिथी	अतिथि	अध्यात्मिक	आध्यात्मिक
इन्द्रा गांधी	इन्दिरा गाँधी	अपेच्छा	अपेक्षा
इक्षा	इच्छा	उत्तदाई	उत्तरदायी
उन्नतशील	उन्नतिशील	उपलक्ष	उपलक्ष्य
उपेच्छित	उपेक्षित	उछाह	उत्साह

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
उपरोक्त	उपर्युक्त	उपसंघार	उपसंहार
उज्वल	उज्ज्वल	अनाधिकार	अनधिकार
अन्तर्ध्यान	अन्तर्धान	कवियत्री	कवयित्री
करम	कर्म	कोशिल्या	कौशल्या
कालीदास	कालिदास	कन्ठ, कंठ	कण्ठ
कनिष्ट	कनिष्ठ	क्रतघ्नी	कृतघ्न
क्रतज्ञ	कृतज्ञ	कलस	कलश
क्रतार्थ	कृतार्थ	ग्रहस्थ	गृहस्थ
गत्यावरोध	गत्यवरोध	गमार	गंवार
गरिष्ट	गरिष्ठ	घणियाल	घड़ियाल
घमन्ड	घमण्ड	चांद	चाँद
चंचल	चञ्चल	चच्छु	चक्षु
चर्म सीमा	चरम सीमा	जगन्य	जघन्य
जगतेश	जगदीश	जनम	जन्म
जन्ता	जनता	जागृत	जाग्रत
तात्कालीन	तत्कालीन	जज्ञ	यज्ञ
टिप्पड़ी	टिप्पणी	तत्कालि	तात्कालिक
दुसह	दुःसह या दुस्सह	तमासा	तमाशा
देहिक	दैहिक	दुख	दुःख
दाइत्व	दायित्व	दृष्टव्य	द्रष्टव्य
धेर्य	धैर्य	द्वारिका	द्वारका
नसीला	नशीला	धरम	धर्म
नगन्य	नगण्य	नगनि या नगन	नग्न
परलौकिक	पारलौकिक	नमरता	नम्रता
परिच्छा	परीक्षा	परुपकार	परोपकार
प्रदर्शिनी	प्रदर्शनी	प्रतिक्षा	प्रतीक्षा
प्रथ्वी	पृथ्वी	पुजारन	पुजारिन
प्रिगाड़	प्रगाढ़	प्रथक	पृथक्
परोच्छ	परोक्ष	पैत्रिक	पैतृक
परुषोत्तम	पुरुषोत्तम	प्राविधान	प्रावधान
प्रशाद	प्रसाद	पाण्डे	पाण्डेय
ब्रहद	वृहद	पूज्यनीय	पूजनीय
वालक	बालक	पौदा	पौधा
भाज्ञ	भाग्य	व्रह्मचर्य	ब्रह्मचर्य
भागीरथ	भगीरथ	भरोषा	भरोसा
भगिनी	भगिनि	भिकारी	भिखारी
मंत्रिमंडल	मन्त्रिमण्डल	भगीरथी	भागीरथी
महूरत	मुहूर्त	भासा	भाषा
महत्व	महत्त्व	महानता	महत्ता
महात्म्य	माहात्म्य	मूरत	मूर्ति
माता जी	माताजी	मलीन	मलिन

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
यायवार	यायावर	माधुर्यता	मधुरता या माधुर्य
युधिष्ठर	युधिष्ठिर	महेस	महेश
राज	राज्य	यग्य	यज्ञ
रुग्ड़	रुग्ण	यसोदा	यशोदा
लच्छिन	लक्षण	रच्छा	रक्षा
बैद्य	वैद्य	रजनि	रजनी
बैरज्	वैर	लछिमन	लक्ष्मण
विधवत्	विधिवत्	लालमा	लालिमा
वस्तू	वस्तु	वैद्य	वैध
बिरहणी	विरहिणी	वितीत	व्यतीत
विपच्छ	विपक्ष	बकील	वकील
सामिग्री	सामग्री	विदेशिक	वैदेशिक
साधू	साधु	सन्शय	संशय
वापिस	वापस	सिक्षा	शिक्षा
व्रतान्त	वृतान्त	सुलोचनी	सुलोचना

प्रश्न– निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए–

अशुद्ध वाक्य	शुद्ध वाक्य
1. वहाँ अनेकों मनुष्य जुटे थे।	वहाँ अनेक मनुष्य जुटे थे।
2. तुम तो कुर्सी में बैठे हो।	तुम कुर्सी पर बैठे हो।
3. इस सरोवर में अनेकों कमल खिले हैं।	इस सरोवर में अनेक कमल खिले हैं।
4. प्रदेश में मंत्रीमण्डल विस्तार हो गया।	प्रदेश में मंत्रिमण्डल का विस्तार हो गया।
5. क्या वह अपनी परीक्षा दी?	क्या उसने परीक्षा दी।
6. अनेकों नकलची पकड़े गये।	अनेक नकलची पकड़े गये।
7. कई विद्यालय के छात्र गिरफ्तार हुए।	विद्यालय के कई छात्र गिरफ्तार हुए।
8. सम्मेलन में कवित्री भाग लिया।	सम्मेलन में कवयित्री ने भाग ली।
9. भाश्कर उदित होता है सदैव पूर्व में।	भाष्कर सदैव पूर्व में उदित होता है।
10. एक फूल की माला लाओ।	फूलों की एक माला लाओ।
11. मुझे केवल पाँच रुपये मात्र की आवश्यकता है।	मुझे मात्र पाँच रुपये की आवश्यकता है।
12. उनको काम करने की इच्छा नहीं है।	उनकी काम करने की इच्छा नहीं है।
13. तुम तो घोड़े में सवार हो।	तुम मेरे घोड़े पर सवार हो।
14. इन शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग करो।	इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो।
15. उसने अपनी पत्नी का गला घोंटकर मार डाला।	उसने अपनी पत्नी को गला घोंटकर मार डाला।
16. जनकपुर के नर-नारियाँ राम का रूप देखकर मुग्ध हो गये।	जनकपुर के नर-नारियाँ राम का रूप देखकर मुग्ध हो गईं।
17. उसने कुत्ते को लाठी द्वारा मारा।	उसने कुत्ते को लाठी से मारा।
18. हम आँखों द्वारा देखते हैं।	हम आँखों से देखते हैं।
19. घाव में दवा लगाओ।	घाव पर दवा लगाओ।
20. कृपया अवकाश देने की कृपा करें।	अवकाश देने की कृपा करें।
21. बच्चों से माल्यार्पण किया गया।	बच्चों द्वारा माल्यार्पण किया गया।

अशुद्ध	शुद्ध
22. कृष्ण और राधा नृत्य करते हैं। [2020 ZL]	कृष्ण और राधा नृत्य कर रहे हैं।
23. मैंने कह दिया था कि हम आज शाम को खाना नहीं खायेंगे।	मैंने कह दिया था कि आज शाम को खाना नहीं खाऊँगा।
24. हरि ने घर गया और सोया।	हरि घर गया और सोया।
25. वह लड़का इसलिए गिर पड़ा कि वह असावधान था।	वह लड़का इसलिए गिर पड़ा क्योंकि वह असावधान था।
26. उपरोक्त कथन से हम सहमत हूँ।	उपर्युक्त कथन से मैं सहमत हूँ।
27. उसकी बुद्धि मुझसे अच्छी है।	उसकी बुद्धि मेरी बुद्धि से अच्छी है।
28. मैं वाराणसी गया और वहाँ गंगाजी में स्नान किया।	मैं वाराणसी गया और मैंने गंगाजी में स्नान किया।
29. मैं रविवार वाले दिन पहुँच रहा हूँ।	मैं रविवार को पहुँच रहा हूँ।
30. सम्भवतः वह अवश्य आयेगा।	वह अवश्य आयेगा।
31. शायद आज वर्षा अवश्य होगी।	आज वर्षा अवश्य होगी।
32. वह लड़के कहाँ जा रहे हैं।	वे लड़के कहाँ जा रहे हैं?
33. ब्राह्मण कहाँ विद्याभ्यास के लिए गये थे?	ब्राह्मण विद्याभ्यास के लिए कहाँ गये थे?
34. अधिकांश हिन्दी के लेखक निर्धन हैं।	हिन्दी के अधिकांश लेखक निर्धन हैं।
35. सचिन के खेल की विश्व भर में प्रसिद्धि है।	सचिन के खेल की प्रसिद्धि विश्व भर में है।
36. कोई गाँव का आदमी यह नहीं चाहता है।	गाँव का कोई आदमी यह नहीं चाहता है।
37. मोहन आपके ऊपर विश्वास करता है।	मोहन आप पर विश्वास करता है।
38. जाकर देखो यहाँ क्या हो रहा है?	जाकर देखो वहाँ क्या हो रहा है?
39. इसमें समस्त मानव-मात्र का कल्याण निहित है।	इसमें मानव-समाज का कल्याण निहित है।
40. उसका प्राण निकलने वाला है। [2020 ZK]	उसके प्राण निकलने वाले हैं।
41. उसके भाषण के एक-एक शब्द नपे-तुले थे।	उसके भाषण का एक-एक शब्द नपा-तुला था।
42. कुछ लोग परस्पर एक-दूसरे को सन्देह की दृष्टि से देखते हैं।	कुछ लोग एक-दूसरे को सन्देह की दृष्टि से देखते हैं।
43. मैं अपने गुरुजी की श्रद्धा करता हूँ।	मैं अपने गुरुजी पर श्रद्धा रखता हूँ।
44. दोनों की दशा एक सी है।	दोनों की दशाएँ एक-सी हैं।
45. मैं सकुशलपूर्वक हूँ। [2020 ZK]	मैं सकुशल हूँ।
46. पाँच रेलवे के कर्मचारी पकड़े गये। [2020 ZK]	रेलवे के पाँच कर्मचारी पकड़े गये।
47. अनेकों लोगों ने सरकारी नीतियों की प्रशंसा की।	अनेक लोगों ने सरकारी नीतियों की प्रशंसा की।
48. सरकारी मिट्टी के तेल की दुकान बन्द है। [2020 ZK]	मिट्टी के तेल की सरकारी दुकान बन्द है।
49. उसने तीन पुस्तकें खरीदा। [2020 ZH]	उसने तीन पुस्तकें खरीदी।
50. कृपया मेरे सामानों पर ध्यान रखना। [2020 ZH]	कृपया मेरे सामान पर ध्यान दें।
51. मैं भोजन कर लिया हूँ। [2020 ZH, ZI]	मैं भोजन कर चुका हूँ।
52. एक पुरुष और एक स्त्री जा रही है। [2020 ZH]	एक स्त्री और पुरुष जा रहे हैं।
53. विष्णु के अनेकों नाम हैं। [2020 ZJ]	विष्णु के अनेक नाम हैं।
54. मैं पानी पी लिया हूँ। [2020 ZJ]	मैं पानी पी चुका हूँ।
55. श्री कृष्ण के अनेको नाम हैं। [2020 ZM]	श्री कृष्ण के अनेकों नाम हैं।

(ङ) लोकोक्ति एवं मुहावरे

लोकोक्ति/मुहावरा	अर्थ	वाक्य-प्रयोग
1. अधजल गगरी छलकत जाय।	अधूरे ज्ञान वाले का अधिक बोलना।	रमेश अल्पज्ञानी होते हुए विद्वान बनने का ढोंग वैसे करता है जैसे अधजल गगरी छलकती जाती है। [2020 ZI]

लोकोक्ति/मुहावरा	अर्थ	वाक्य-प्रयोग
2. अन्धे की लकड़ी होना।	एकमात्र सहारा।	श्रवण कुमार अपने माता-पिता के लिए अन्धे की लकड़ी के समान था। **[2020 ZM]**
3. अपना उल्लू सीधा करना।	स्वार्थी होना।	आजकल लोग अपना उल्लू सीधा करने में लगे रहते हैं।
4. अपने पैर पर खड़े होना।	स्वावलम्बी होना।	लड़के के अपने पैर पर खड़े होने पर ही उसका विवाह करना चाहिए। **[2020 ZI]**
5. छक्के छुड़ाना।	पराजित करना।	भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान के छक्के छुड़ा दिये।
6. सावन हरे न भादों सूखे।	सदा एक समान रहना।	सच्चे महापुरुष न सावन में हरे होते हैं न भादों में सूखते हैं। **[2020 ZH, ZI]**
7. उल्टी गंगा बहाना।	परम्परा के विपरीत कार्य करना।	चाचा को आदेश देकर उल्टी गंगा क्यों बहाते हो। **[2020 ZI, ZK, ZN]**
8. कलई खुलना।	भेद खुल जाना।	पत्रकारों ने अनेक नेताओं की कलई खोल दी। **[2020 ZK]**
9. गूलर का फूल होना।	अति दुर्लभ होना।	गूलर के फूल के समान एक वर्ष से तुम दिखाई नहीं दिये। **[2020 ZI]**
10. नाक में नकेल डालना।	वश में करना।	अनेक महिलाएँ अपने पतियों की नाक में नकेल डाल देती हैं।
11. मक्खन लगाना।	चापलूसी करना।	सुरेश अधिकारियों को मक्खन लगाने में ही लगा रहता है। **[2020 ZK]**
12. पिया चाहे सोई सुहागिन।	अधिकारी जिसे चाहे वही योग्य।	विद्यालय में प्रधानाचार्य प्रायः वही होता है जिसे प्रबन्धक पसन्द करे, क्योंकि पिया जिसे चाहता है वही सुहागिन कहलाती है।
13. मुँह फुलाना।	असन्तुष्ट होना।	छोटी-छोटी बातों में मुँह फुलाना ठीक नहीं है।
14. दाँत खट्टे करना।	पराजित करना।	आजाद हिन्द फौज ने अंग्रेजों के दाँत खट्टे कर दिये थे।
15. आम के आम गुठलियों के दाम।	दोहरा लाभ होना।	अखबार पढ़कर उसकी रद्दी बेच दी अर्थात् आम के आम गुठलियों के दाम। **[2020 ZM]**
16. आँख का तारा होना।	अत्यधिक प्रिय होना।	राम मेरी आँखों का तारा है। **[2020 ZH, सा०20 ZK]**
17. पानी-पानी होना।	लज्जित होना।	श्याम परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर पानी-पानी हो गया। **[2020 ZH, ZI]**
18. दाल में काला होना।	सन्देह होना।	भर्ती परीक्षाओं में सरकार को भी मानना पड़ा कि दाल में कुछ काला है। **[2020 ZN]**
19. हाथ कंगन को आरसी क्या।	प्रत्यक्ष को प्रमाण की क्या आवश्यकता।	कार चलाकर अच्छे चालक का प्रमाण दे दो क्योंकि हाथ कंगन को आरसी क्या। **[2020 ZH, ZI, ZN]**
20. गागर में सागर भरना।	थोड़े में बहुत अधिक।	कविवर बिहारी ने अपने दोहों में गागर में सागर भर दिया है। **[2020 ZM]**
21. अक्ल का दुश्मन।	मूर्ख।	नरेश अक्ल का दुश्मन है।
22. घोड़े बेचकर सोना।	गहरी नींद सोना।	परीक्षा के दिनों में भी वह घोड़े बेचकर सोता है।
23. हाथ पीले करना।	विवाह करना।	कमला ने अपनी पुत्री के हाथ पीले कर दिये। **[2020 ZM]**
24. होश उड़ जाना।	घबरा जाना।	सामने शेर को आता देखकर शिकारी के होश उड़ गये।
25. हवा से बातें करना।	तेज गति से दौड़ना।	चेतक राणाप्रताप के सवार होते ही हवा से बातें करने लगता था।
26. बालू की दीवार।	दुर्बल आधार।	बालू की दीवार पर जीवन का महल बनाना उचित नहीं है।
27. पापड़ बेलना।	कष्ट सहना।	राम को नौकरी प्राप्त करने के लिए बहुत पापड़ बेलने पड़े। **[2020 ZI]**